

संपादक की कलम

कलाकार हैं स्वप्नद्रष्टा और शांतिपूर्ण भविष्य के शिल्पी

कला एवं कलाकार मानव सभ्यता की आत्मा है। यह वह अनंत भाषा है, जिसके माध्यम से मनुष्य अपने अंतरतम की संवेदनाओं, अनुभूतियों, विचारों और स्वप्नों को रूप, रंग, ध्वनि, शब्द, लय और भावों में अभिव्यक्त करता है। जब आदिम मानव-कलाकारों ने गुफाओं की दीवारों पर अपनी अनुभूतियों को चित्रित किया होगा, जब किसी कलाकार ने पत्थर को तराशकर उसमें आकृति का सौंदर्य खोजा होगा अथवा किसी ने प्रकृति की ध्वनियों से प्रेरित होकर पहली बार सुरों को साधा होगा, तभी से कला ने मानव जीवन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई होगी। कला की यात्रा वस्तुतः मानव चेतना के विकास, उसकी कल्पनाशीलता और उसकी संवेदनशीलता की यात्रा है। प्रत्येक वर्ष 25 अक्टूबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस इसी सृजनशील चेतना को सम्मान देने तथा समाज और सभ्यता के निर्माण में कलाकारों के योगदान को पहचानने का अवसर है। लेकिन इस दिवस की सार्थकता केवल कलाकारों का अभिनंदन करने, चित्रकला प्रदर्शनियों का आयोजन करने, संगीत समारोहों में भाग लेने अथवा कलाकृतियों की प्रशंसा करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। आज जब विश्व युद्धों की आशंकाओं, आतंकवाद, हिंसा, धार्मिक एवं वैचारिक टकराव, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और महाशक्तियों के वर्चस्ववादी संघर्षों से घिरा हुआ है, तब कला और कलाकार की भूमिका पहले से कहीं अधिक व्यापक और महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रश्न यह है कि क्या मनुष्य की तकनीकी प्रगति, आर्थिक समृद्धि और सैन्य शक्ति उसे अधिक शांतिप्रिय बना सकती है? यदि नहीं, तो निश्चित रूप से हमें उस मानवीय चेतना की ओर लौटना होगा, जो मनुष्य को केवल शक्तिशाली नहीं, बल्कि संवेदनशील, सहिष्णु और करुणाशील बनाती है। कला इसी चेतना का सबसे प्रभावशाली माध्यम है। वर्तमान विश्व की विडमना यह है कि एक ओर विज्ञान ने दूरियों को समाप्त कर दिया है, संसार के साधनों ने दुनिया को एक वैश्विक परिवार का स्वरूप दिया है और आर्थिक संबंधों ने राष्ट्रों को परस्पर निर्भर बनाया है, दूसरी ओर मनुष्यों के बीच अविश्वास, घृणा और संघर्ष की दीवारें भी ऊँची होती जा रही हैं। युद्धभूमियों में बिखरते परिवार, आतंकवाद की भेंट चढ़ते निर्दोष जीवन, विस्थापन को पीड़ा झेलते बच्चे और वरंश्य की राजनीति में कुचले जाते छोटे राष्ट्र इस प्रश्न को सामने रखते हैं कि विकास का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या विकास केवल ऊँची इमारतों, आधुनिक हथियारों, विशाल बाजारों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक सीमित है, अथवा उसका वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुंदर, स्वतंत्र और आनंदमय बनाना भी है? कला और कलाकार इस प्रश्न का उत्तर मनुष्य के हृदय में खोजते हैं। वे याद दिलाते हैं कि सभ्यता की महानता विनाश की क्षमता से नहीं, बल्कि सृजन, संरक्षण और सह-अस्तित्व की योग्यता से मापी जानी चाहिए। राजनीति और कुटनीति जहाँ कई बार हिंसे, सीमाओं और शक्ति-संतुलन के गणित में उलझ जाती हैं, वहीं कला और कलाकार मनुष्य के साझा दुःख और साझा आनंद को सामने लाती है। एक चित्रकार युद्ध से उजड़े घर की तस्वीर बनाता है, तो उसमें किसी एक देश का नहीं, संपूर्ण मानवता का दर्द दिखाई देता है। एक संगीतकार जब करुणा से भरी पुन छेड़ता है, तो उसकी भाषा समझने के लिए किसी अनुवाद की आवश्यकता नहीं होती। किसी कवि की पंक्तियों में व्यक्त प्रेम, किसी नर्तकी की भाव-भंगिमा में झलकती पीड़ा और किसी मूर्तिकार की रचना में उभरती मानवीय गरिमा भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर हृदयों को जोड़ती है। यही कला की वह शक्ति है, जो शत्रुता के बीच संवाद, निराशा के बीच आशा और विभाजन के बीच आत्मीयता के पुल बना सकती है।

ललित शर्मा

संपादक

कैसे बचे समाज

उदय कशोर साह

कविता



संस्कार विहिन हो गई आज संसार मयादीं लुप्त हुई रिश्ते हुए तार तार बिखर रही पत्नी व परिवार बेहायापन के आगे जग है शर्मसार

सात जन्मों का जहाँ होता था सात फेरा शादी शुदा पुरुष का जेल। बना डेरा झुटी मुकदमा बन गई नारी की हथियार कानून दे रही है भरण पोषण अधिकार

नारी तेरी माया कोई समझ नहीं पाया सती सवित्री व सीता ना बन दिखलाया प्रेमी संग प्रणय आधुनिकता की साया रोक टोक। पर जान की आफत आया

कैसे बचे पुरुष जाति की मान। सम्मान कोर्ट कचहरी में होता समाज का अपमान पुरुष आयोग बने पति जन की विधान पति पर अत्याचार देख पूर्वज हैं हैरान

कौन सुने अब पुरुष की मन की परेशानी कचरे से भर गई युवा मर्द की जिन्दगानी व्याह लाना भाई कन्या जो हो खानदानी दहेज युक्त दुल्हन लाना है तेरी भी नादानी

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी. सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

चीन की शेयर बाजार सुनामी, भारत की अर्थव्यवस्था पर संकट?

किशन भावनानी

लेखक

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ की अर्थव्यवस्था आज ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी निवेशकों की उम्मीदें, चीन की आर्थिक सुस्ती, अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव,विदेशी पूंजी का प्रवाह, व्यापारिक प्रतिस्पर्धा और बदलती भू- राजनीतिक परिस्थितियाँ आर्थिक भविष्य की दिशा तय कर रही हैं। मैं एडवोकेट किशन सनंमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूँगा कि भारत के सामने इस समय चुनौतियों के साथ-साथ वैश्विक विनिर्माण, प्रौद्योगिकी, निवेश और व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। चीन के शेयर बाजार में लगभग 20 प्रतिशत गिरावट के दावे, भारतीय विदेशी मुद्रा भंडार में कमी,केंद्रीय बजट 2027-28 की तैारियों और क्रिंटो तथा एआई जैसे उभरते क्षेत्रों की संसदीय समीक्षा को एक साथ

देखने पर स्पष्ट होता है कि आने वाला समय भारतीय आर्थिक नीति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहने वाला है। हालांकि किसी भी बाजार संबंधी आंकड़े या गिरावट के कारण को अंतिम तथ्य मानने से पहले सटीकता से उसके आधिकारिक स्रोत की पुष्टि आवश्यक है। साथियों बात अगर हम चीन के शेयर बाजार में गिरावट: वैश्विक निवेशकों के लिए खतरे की घंटी? को समझने की करें तो, चीन के प्रमुख सीएसआई 300 सूचकांक के जून के उच्चतम स्तर से लगभग 20 प्रतिशत नीचे आने के दावे ने वैश्विक वित्तीय बाजारों में चिंता बढ़ाई है। यदि किसी सूचकांक में अपने हालिया उच्च स्तर से 20 प्रतिशत या उससे अधिक की गिरावट आती है, तो सामान्य बाजार परिभाषा के अनुसार उसे बेबर मार्केट कहा जाता है प्रस्तुत जानकारी के अनुसार चीन में 22 और 23 अक्टूबर को तेज बिकवाली हुई तथा हांगकांग में सूचोबद्ध चीनी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया।24 अक्टूबर 2026 को शनिवार होने के कारण चीन के मुख्य शेयर बाजार में नियमित कारोबार बंद था।इसलिए उस दिन की स्थिति का आकलन पिछले कारोबारी सत्रों और उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों के आधार पर किया जाना चाहिए। साथियों,इस गिरावट के पीछे तीन संभावित प्रमुख कारण हैं,पहला,एआई



और टेक्नोलॉजी कंपनियों के ऊंचे मूल्यांकन को लेकर चिंता; दूसरा, चीन के रियल एस्टेट क्षेत्र की परेशानियों और घरेलू उपभोग में कमजोरी के कारण कंपनियों के मुनाफे पर दबाव; और तीसरा, निवेशकों की अपेक्षाओं के अनुरूप व्यापक सरकारी प्रोत्साहन पैकेज नहीं मिलने की आशंका।।एआई क्षेत्र में भारी निवेश के बावजूद यदि कंपनियाँ अपेक्षित राजस्व और मुनाफा उत्पन्न नहीं करतीं, तो निवेशक अपने मूल्यांकन पर पुनर्विचार करते हैं।यही स्थिति किसी तेजी से बढ़े बाजार में मुनाफावसूली को व्यापक बिकवाली में बदल सकती है हालांकि, चीन की अर्थव्यवस्था और वहां के शेयर बाजार को एक ही चीज नहीं समझना चाहिए।उपलब्ध कराई गई जानकारी में सितंबर तिमाही की जीडीपी वृद्धि 4.5 प्रतिशत बताई गई है,लेकिन इस आंकड़े की आधिकारिक पुष्टि

बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है। लेकिन इसका उलटा भी संभव है यदि निवेशक चीन से पूंजी हटाकर भारत जैसे बाजारों में निवेश बढ़ाते हैं, तो भारतीय शेयरों को लाभ मिल सकता है। इसलिए चीन में गिरावट का अर्थ यह नहीं कि भारतीय बाजार अनिवार्य रूप से गिरेंगे। दूसरा प्रभाव धातु क्षेत्र पर पड़ सकता है।चीन दुनिया के प्रमुख औद्योगिक उपभोक्ताओं में शामिल है।वहां निर्माण रियल एस्टेट और औद्योगिक गतिविधियाँ कमजोर होने पर स्टील,लौह अयस्क, तांबा तथा अन्य धातुओं की मांग प्रभावित हो सकती है। इससे अंतरराष्ट्रीय धातु कीमतों और भारतीय धातु कंपनियों के मुनाफे पर दबाव पड़ सकता है। दूसरी ओर, सस्ते कच्चे माल से कुछ भारतीय उद्योगों को लाभ मिल सकता है।हालांकि, चीन से अत्यधिक सस्ते उत्पादों का आयात भारतीय निमाताओं के लिए प्रतिस्पर्धा की चुनौती भी बन सकता है। साथियों तीसरा प्रभाव टेक्नोलॉजी और एआई कंपनियों पर पड़ेगा। यदि निवेशकों का विश्वास एआई कंपनियों की कमाई और भविष्य के मूल्यांकन को लेकर कमजोर होता है, तो इसका असर दुनिया और भार की टेक कंपनियों के शेयरों पर पड़ सकता है।भारतीय आईटी कंपनियों के लिए इसका परिणाम मिला-जुला रहेगा।एक तरफवैश्विक कंपनियाँ लाभ घटाने के लिएतकनीकी सेवाओं पर खर्च कम

कर सकती हैं,दूसरी तरफ एआई अपनाने, साइबर सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटलपरिवर्तन की जरूरतें नए व्यावसायिक अवसर पैदा कर सकती हैं।भारतीय निवेशकों के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि केवल किसी देश के बाजार में आई गिरावट देखकर निवेश का निर्णय नहीं लेना चाहिए।कंपनियों की वास्तविक कमाई, कर्ज मूल्यांकन वैश्विक मांग और निवेश जोखिम का आकलन जरूरी है। चीन के बाजार में गिरावट के बाद आकर्षक मूल्यांकन वाले अवसर पैदा हो सकते हैं, लेकिन गिरावट अपने आप में सस्ते और सुरक्षित निवेश की गारंटी नहीं है। साथियों बात अगर हम विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट:व्याप्य रुपये पर बढ़ेगा दबाव? इसको समझने की करें तो,भारतीय अर्थव्यवस्था से जुड़ी दूसरी महत्वपूर्ण खबर विदेशी मुद्रा भंडार की है। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 16 अक्टूबर 2026 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5.011 अरब डॉलर घटकर 721.016 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले 9 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में भी इसमें 8.578 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई थी। इस प्रकार दो सप्ताह में कुल गिरावट लगभग 13.589 अरब डॉलर आई।विदेशी मुद्रा भंडार किसी देश की आर्थिक सुरक्षा के महत्वपूर्ण आधारों में से एक है।

देश के तीन आईआईटी में मेडिकल साइंस और इंजीनियरिंग का संगम

डॉ विजय गर्ग

लेखक

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान तेजी से तकनीक पर निर्भर होता जा रहा है। आज अस्पतालों में सीटी स्कैन, एमआरआई , आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , रोबोटिक्स, बायो-सेंसर और अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक मशीनों का उपयोग बढ़ रहा है।ऐसे में चिकित्सा और इंजीनियरिंग के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है। इसी दिशा में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, आईआईटी खड़गपुर और आईआईटी कानपुर चिकित्सा विज्ञान तथा इंजीनियरिंग को एक साथ लाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इन संस्थानों का उद्देश्य ऐसे विशेषज्ञ तैयार करना है जो मानव शरीर की कार्यप्रणाली और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की तकनीक-दोनों को समझ सकें।

चिकित्सा और इंजीनियरिंग के बीच तालमेल क्यों जरूरी?

कल्पना कीजिए कि किसी मरीज

की सीटी स्कैन रिपोर्ट में एक हिस्सा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा है। डॉक्टर को यह समझने में कठिनाई हो सकती है कि इसका कारण मशीन की तकनीकी समस्या है या मरीज की बीमारी। दूसरी ओर, मशीन बनावे वाले इंजीनियर को उस चिकित्सकीय परिस्थिति की पूरी जानकारी नहीं हो सकती। ऐसी स्थिति में चिकित्सा और तकनीक, दोनों का ज्ञान रखने वाले विशेषज्ञ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे डॉक्टरों और इंजीनियरों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने, मशीनों की उपयोगिता बढ़ाने और रोगों की पहचान को अधिक सटीक बनाने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, ऐसे विशेषज्ञ डॉक्टरों और पारंपरिक इंजीनियरों का स्थान लेने के लिए नहीं, बल्कि उनके साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार किए जाते हैं।

आईआईटी मद्रास: मेडिकल साइंस और इंजीनियरिंग का नया संगम

आईआईटी मद्रास ने मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विशेष शैक्षणिक पहल की है। संस्थान का उद्देश्य चिकित्सा विज्ञान, इंजीनियरिंग और आधुनिक तकनीक के बीच सहयोग को मजबूत करना है। यहां मेडिकल साइंस एंड इंजीनियरिंग से संबंधित पाठ्यक्रमों में मानव शरीर की कार्यप्रणाली, गणितीय मॉडलिंग, क्लिनिकल न्यूरोसाइंस और मेडिकल इमेजिंग जैसे विषय शामिल हैं। इन



विषयों के माध्यम से विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर मिलता है कि इंजीनियरिंग के सिद्धांतों का उपयोग मानव शरीर, रोगों की पहचान और चिकित्सा अनुसंधान में किस प्रकार किया जा सकता है।आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि का मानना है कि तकनीकी संस्थानों को चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। चिकित्सा उपकरणों और स्वास्थ्य तकनीक के क्षेत्र में देश की क्षमता बढ़ाना भारत की दीर्घकालिक जरूरत है।

आईआईटी खड़गपुर: चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान की दिशा में कदम

आईआईटी खड़गपुर ने चिकित्सा विज्ञान और तकनीक के समन्वय के क्षेत्र में लंबे समय से काम किया है। यहां 2001 में स्कूल ऑफ मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी की शुरूआत

हुई थी। संस्थान का एमएमएसटी कार्यक्रम विशेष रूप से ऐसे चिकित्सकों के लिए तैयार किया गया था, जो इंजीनियरिंग और भौतिक विज्ञान के ज्ञान के माध्यम से अपने चिकित्सा कौशल को और बेहतर बनाना चाहते हैं। आईआईटी खड़गपुर ने अपने परिसर में डॉ. वी. सी. रॉय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के माध्यम से चिकित्सा सुविधाओं और अनुसंधान को आगे बढ़ाने की दिशा में भी काम किया है। यहां मेडिकल इमेजिंग, मॉलिक्यूलर इमेजिंग, बायोमेटेरियल्स, इम्प्लांट्स, बायोफिजिक्स, कैंसर की शुरूआती पहचान, इन्फ्यू-टेक्नोलॉजी और क्लिनिकल बायोमार्कर जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान की संभावनाएं हैं। इन प्रयासों का व्यापक उद्देश्य चिकित्सा क्षेत्र में नई तकनीकों के विकास को बढ़ावा देना और अनुसंधान को वास्तविक मरीजों की जरूरतों से जोड़ना है।

आईआईटी कानपुर: गंगवाल स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी

आईआईटी कानपुर का गंगवाल स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी चिकित्सा शिक्षा, उच्च स्तरीय चिकित्सा अनुसंधान और इंजीनियरिंग तकनीक को एक मंच पर लाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस प्रकार के संस्थानों में भविष्य की चिकित्सा तकनीकों के विकास, उन्नत डायग्नोस्टिक प्रणालियों, मेडिकल रोबोटिक्स, बायोमेडिकल उपकरणों और एआई आधारित स्वास्थ्य सेवाओं पर काम करने की व्यापक संभावनाएं हैं। इसका उद्देश्य केवल नई मशीनें बनाना नहीं है, बल्कि यह समझना भी है कि मरीजों की वास्तविक जरूरतों के अनुसार तकनीक को कैसे अधिक उपयोगी, सुरक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है।

व्या भविष्य में मेडिकल इंजीनियरों की मांग बढ़ेगी ?

चिकित्सा विज्ञान में तकनीकी बदलावों के कारण ऐसे विशेषज्ञों की मांग बढ़ने की संभावना है, जिन्हें बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, मेडिकल इमेजिंग, मेडिकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोइम्पॉर्मेंटिक्स, रोबोटिक्स और स्वास्थ्य उपकरणों के डिजाइन का ज्ञान हो। इन क्षेत्रों में प्रशिक्षित विशेषज्ञ अस्पतालों, चिकित्सा उपकरण बनाने

वाली कंपनियों, अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों और स्वास्थ्य तकनीक से जुड़ी कंपनियों में काम कर सकते हैं। यह समझना आवश्यक है कि मेडिकल इंजीनियरिंग और एमबीबीएस अलग-अलग शैक्षणिक तथा व्यावसायिक रास्ते हैं।इंजीनियरिंग की डिग्री अपने आप किसी व्यक्ति को मरीजों का निदान करने या उनका इलाज करने का अधिकार नहीं देती। इसी प्रकार, डॉक्टरों को भी चिकित्सा अभ्यास के लिए निर्धारित योग्यताओं और नियमों का पालन करना होता है।

भारत के लिए स्वदेशी मेडिकल टेक्नोलॉजी क्यों महत्वपूर्ण है ?

भारत में चिकित्सा उपकरणों और स्वास्थ्य तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने की आवश्यकता है। आधुनिक स्कैनर, वेंटिलेटर, पेसमेकर और जीवन रक्षक प्रणालियाँ जैसे उपकरणों के विकास, निर्माण और रखरखाव में घरेलू क्षमता मजबूत होने से आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। इसके अतिरिक्त, देश की परिस्थितियों के अनुरूप सस्ती और भरोसेमंद तकनीक विकसित की जा सकती है। ग्रामीण अस्पतालों, छोटे स्वास्थ्य केंद्रों और दूरदराज के क्षेत्रों में ऐसी तकनीक विशेष रूप से उपयोगी हो सकती है। यदि भारतीय संस्थान चिकित्सा विशेषज्ञों, इंजिनियरों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाते हैं, तो नई खोजों को प्रयोगशालाओं से अस्पतालों तक पहुंचाने में मदद मिल सकती है।

निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र कि अधुण आधारशिला’ राजनीतिक दृष्टि तथा दृष्टिकोण

संजीव ठाकुर

लेखक

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। करोड़ों मतदाताओं द्वारा यहां चुनाव से अपने विधायक,सांसद, मंत्री मुख्यमंत्री तथा प्रधानमंत्री तक का चुनाव किया जाता है।लाजमी है कि यहाँ विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में यह अपेक्षा की जाती है की सभी स्तर के चुनाव निष्पक्ष शांतिपूर्ण तथा वैधानिक तरीके से संपन्न किए जाए जिससे जनता को सही तथा समुचित प्रतिनिधित्व मिल सके। चुनाव केवल प्रतिनिधियों के चयन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि विध्वंसाओं से भरे समाज की आकांक्षाओं, असहमतियों और अधिकारों की अभिव्यक्ति भी हैं। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग

को सौंपता है। वहीं, अनुच्छेद 326 वयस्क मताधिकार के सिद्धांत को आधार प्रदान करता है।इन संवैधानिक व्यवस्थाओं का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का मत समान महत्व रखे और सत्ता का निर्धारण जनता की स्वतंत्र इच्छा से हो। हालांकि, संवैधानिक प्रावधानों के वास्तविक सफलता उनके निष्पक्ष क्रियान्वयन से ही सिद्ध होती है।

‘लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा शासन है’ लेकिन का यह प्रसिद्ध कथन लोकतंत्र के सार को पूरी तरह स्पष्ट करता है। लेकिन लोकतंत्र की इस महान इमारत की नींव किस पर टिकी है? इसका उत्तर है। निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह नागरिकों की स्वतंत्रता, समानता और सामूहिक इच्छाशक्ति का सबसे बड़ा उत्सव हैं। जब चुनाव निष्पक्ष होते हैं, तो हर नागरिक की आवाज गूंजती है, और जब इनमें धांधली होती है, तो लोकतंत्र अपनी आत्मा खो देता है। हम निष्पक्ष चुनाव के विविध नजरियों, इसके दार्शनिक पहलुओं, महापुरुषों के विचारों और विदेशी राजनेताओं ने नजरिय और दृष्टिकोण की बात करें तो यह मुद्दा काफ़ी विस्तार से चर्चा करने लायक है। निष्पक्ष चुनाव का



अर्थ केवल इतना नहीं है कि मतदान के दिन कोई हिंसा न हो। इसके दायरे में बहुत सी बातें आती हैं। समान अवसर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को प्रचार करने, मीडिया तक पहुंचने और अपनी बात जनता तक पहुंचाने के समान अवसर मिलने चाहिए। मतदाता सूची से लेकर मतगणना तक की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। चुनाव कराने वाली संस्था किसी भी राजनीतिक दबाव से पूरी तरह मुक्त होनी चाहिए।सविधान निमाताओं ने भी इस बात को समझा था। भारतीय संविधान के शिल्पी डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था: ‘सविधान कितना भी अच्छे क्यों न हो, यदि उसे लागू करने वाले लोग बुरे साबित हुए, तो सविधान भी बुरा

साबित होगा।' यह बात चुनावों पर भी पूरी तरह लागू होती है। चुनाव प्रक्रिया कितनी भी कानूनी रूप से मजबूत क्यों न हो, अवसर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को प्रचार करने, मीडिया तक पहुंचने और अपनी बात जनता तक पहुंचाने के समान अवसर मिलने चाहिए। मतदाता सूची से लेकर मतगणना तक की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। चुनाव कराने वाली संस्था किसी भी राजनीतिक दबाव से पूरी तरह मुक्त होनी चाहिए।सविधान निमाताओं ने भी इस बात को समझा था। भारतीय संविधान के शिल्पी डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था:

अधिक शक्तिशाली होता है।निष्पक्ष चुनाव का मुद्दा केवल किसी एक देश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक लोकतंत्र की सेहत का पैमाना है।ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने लोकतंत्र के बारे में कहा था: ‘लोकतंत्र सरकार का सबसे खराब रूप है, सिवाय उन सभी अन्य रूपों को छोड़कर जिन्हें समय-समय पर आजमाया गया है।’ चर्चिल का यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी इसके चुनाव-आधारित स्वरूप की अनिवार्यता को बताता है। ब्रिटेन में चुनावी वित्तपोषण और निष्पक्षता को लेकर कड़े नियम हैं। वहां के राजनेता मानते हैं कि चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास ही सरकार की वैधता की एकमात्र

गारंटी है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने गेटीसबर्ग संबोधन में लोकतंत्र को जो परिभाषा दी, वह आज भी प्रासंगिक है। अमेरिकी राजनीति में निष्पक्ष चुनाव और मताधिकार हमेशा से बहस के केंद्र में रहे हैं। अमेरिकी राजनेताओं और मानवाधिकार विदों का अक्सर यह मत रहता है कि 'मताधिकार हर नागरिक का वह पवित्र अधिकार है जो उसकी नागरिकता को जीवंत बनाता है।' अमेरिकी इतिहास में नागरिक अधिकार आंदोलन इसी बात की गवाही देता है कि निष्पक्ष चुनाव के लिए हर व्यक्ति को बिना भेदभाव के वोट डालने का अधिकार मिलना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ जैसे वैश्विक संस्थान भी यह मानते हैं कि निष्पक्ष चुनाव मानवाधिकारों का एक अनिवार्य हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार घोषणा-पत्र के अनुच्छेद 21 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि जनता की इच्छा ही सरकार के प्राधिकार का आधार होगी, और यह इच्छा समय-समय पर होने वाले वास्तविक और निष्पक्ष चुनावों के माध्यम से व्यक्त की जानी चाहिए। आज के डिजिटल युग में निष्पक्ष चुनाव के सामने कई नई और जटिल चुनौतियाँ खड़ी हो गई हैं। चुनावों में अत्यधिक धन का खर्च

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने नगला तराई में सुनीं जनता की समस्याएं, अधिकारियों को त्वरित और पारदर्शी समाधान के निर्देश

जनता की समस्याओं का निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता: मुख्यमंत्री धामी

वेलकम इंडिया संवाददाता

नगला तराई/लोहियाहेड। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज ऊधम सिंह नगर जनपद स्थित अपने निजी आवास नगला तराई एवं लोहियाहेड हेलीपैड पर आमजन, विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना। इस दौरान लोगों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी विभिन्न समस्याएं रखीं और उनके समाधान की मांग की। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता की



समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसका निर्धारित समयसीमा के भीतर निस्तारण किया जाए, ताकि आमजन को अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के बार-बार



साथ कार्य कर रही है। जनता की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार का प्रयास है कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें पारदर्शी एवं जवाबदेह



प्रशासन का लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता से जुड़ी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों तक पहुंचाया जाए और उनके समाधान की प्रभावी निगरानी की जाए। शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता बनाए रखने के साथ यह भी सुनिश्चित

की जाए कि संबंधित व्यक्ति को समाधान की जानकारी मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था का उद्देश्य जनता को राहत पहुंचाना और उनकी समस्याओं का व्यावहारिक समाधान करना होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 'सरलीकरण, समाधान और संतुष्टि' के मूल मंत्र को केन्द्र में रखकर कार्य कर रही है। सरकार की प्राथमिकता ऐसी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें आम नागरिकों को सरकारी सेवाओं और योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। इसके लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने, शिकायतों के निस्तारण में तेजी

डकैती की योजना बनाते छह अभियुक्त गिरफ्तार, पैरों में लगी गोली



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। शनिवार तड़के रोडवेज बस अड्डे के पास गुरु कृपा संगम के सामने जाने वाले रास्ते पर बदमाशों की घेराबंदी के दौरान पुलिस से मुठभेड़ हो गई अभियुकों के दाहिने पैर में गोली लग गई, जबकि चार अन्य को घेराबंदी कर हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार सुबह करीब 4:45 बजे मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ बदमाश डकैती की योजना बना रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने

आरोपियों की घेराबंदी की तो बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें नीरज निवासी पूजा एन्क्लेव, कृष्णा नगर और सौरभ निवासी हंसराज कॉलोनी, थाना हाईवे घायल हो गए। वहीं पुलिस ने सचिन निवासी आशापुरम कॉलोनी, अजीत निवासी हंसराज नगर कॉलोनी, गोपाल निवासी तुलसीनगर कॉलोनी और अनुराग निवासी सूर्य नगर कॉलोनी, गोवर्धन चौराहा के पास को भी गिरफ्तार किया

पुत्र और पुत्रवधू पर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांथला। थाना क्षेत्र के गांव रामपुर खेड़ी निवासी एक वृद्ध ने अपने पुत्र, पुत्रवधू और पौत्र पर गाली-गलौज, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाने पर शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया है। शनिवार को गांव रामपुर खेड़ी निवासी धर्मपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने अपने

पुत्र और पुत्रवधू को अपनी संपत्ति से बेदखल कर रखा है। इसके बावजूद आरोप है कि उसका पुत्र, पुत्रवधू और पौत्र उसके साथ गाली-गलौज करते हैं। विरोध करने पर मारपीट की जाती है और जान से मारने की धमकी दी है। पीड़ित ने पुलिस से मामले में कार्रवाई कर सुरक्षा दिलाने की मांग की है। उपनिरीक्षक रणवीर सिंह ने बताया कि संबंधित चौकी प्रभारी को मामले में कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पानीगांव में श्रद्धालु ले रहे पैराग्लाइडिंग का आनंद, कम खर्च में आसमान की सैर

लोगों को रोमांचक अनुभव कराने के साथ परिवार का पालन-पोषण कर रहे रवि

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/मांट। आसमान में उड़ने का शौक किसी नहीं होता। अगर कम खर्च में आसमान की सैर करने का मौका मिल जाए तो रोमांच और भी बढ़ जाता है। कुछ ऐसा ही नजारा पानीगांव में यमुना एक्सप्रेसवे लिंक रोड पर देखने को मिल रहा है, जहां श्रद्धालु और आम लोग पैराग्लाइडिंग का आनंद ले रहे हैं। पैराग्लाइडिंग के पायलट ने बताया कि इस गतिविधि में सुरक्षा का ध्यान रखा जाता है। उन्होंने बताया कि इंजन बंद होने की स्थिति में ग्लाइडर धीरे-धीरे नीचे की ओर उतरता है, जिससे पायलट को लैंडिंग करने में मदद मिलती है। हालांकि, पैराग्लाइडिंग के



दौरान सुरक्षा मानकों और आवश्यक सावधानियों का पालन करना बेहद जरूरी है। पैराग्लाइडिंग के संचालक रवि पहलवान ने बताया कि उनका

उद्देश्य लोगों को कम खर्च में आसमान की सैर कराकर रोमांचक अनुभव प्रदान करना है। लोगों को पैराग्लाइडिंग का आनंद लेते देखकर उन्हें काफी खुशी मिलती है। उन्होंने बताया कि इसी कार्य के माध्यम से उनके परिवार की रोजी-रोटी चलती है। पैराग्लाइडिंग उनके लिए रोजगार का साधन होने के साथ-साथ लोगों को रोमांचक अनुभव कराने का एक माध्यम भी है।

35वीं श्रीराधारानी ब्रजयात्रा का शुभारंभ, राधा नाम संकीर्तन के साथ निकले हजारों श्रद्धालु

15 हजार से अधिक श्रद्धालु और सैकड़ों विदेशी भक्त हुए शामिल, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच लिया 36 दिवसीय यात्रा का संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बरसाना। वैदिक मंत्रोच्चार, ध्वज पूजन, कन्या पूजन और ठाकुरजी की पूजा-अर्चना के साथ शनिवार को 35वीं श्रीराधारानी ब्रजयात्रा का शुभारंभ हुआ। ब्रजनिष्ठ संत पद्मश्री रमेश बाबा महाराज द्वारा प्रारंभ की गई इस वार्षिक यात्रा में देश के विभिन्न प्रांतों से 15 हजार से अधिक श्रद्धालु और सैकड़ों विदेशी भक्त शामिल हुए। यात्रा से पहले सभी ब्रजयात्रियों ने 36 दिवसीय यात्रा के नियम और संकल्प ग्रहण किए। राधा नाम संकीर्तन करते हुए निकली यात्रा के पहले दिन श्रद्धालुओं ने तुंगविद्या सखी के गांव ढभाला, सूर्यकुंड, नौबारी-चौबारी और रत्नकुंड के दर्शन किए। यात्रा 26 नवंबर को बरसाना लौटकर संपन्न होगी। बरसाना स्थित माताजी गौशाला के समीप बनाए गए यात्रा शिविर में मान मंदिर के आचार्य



पंडित महेश चंद्र शास्त्री और सुरेश चंद्र शास्त्री ने वैदिक रीति से यात्रियों को संकल्प दिलाया तथा वैष्णव परंपरा के अनुसार यात्रा के नियम समझाए। इसके बाद डॉ. रामजीलाल शास्त्री, मान मंदिर के महंत ब्रजशरण दास महाराज, नरसिंह दास महाराज और



राधाकांत शास्त्री सहित संतों ने ध्वज पूजन, कन्या पूजन और ठाकुरजी की पूजा-अर्चना की। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद ठाकुरजी के डोले के पीछे-पीछे राधा नाम संकीर्तन करते हुए श्रद्धालु यात्रा पर निकले। यात्रा सबसे पहले माताजी गौशाला पहुंची, जहां गौसेवकों ने पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। इसके बाद ब्रजयात्रियों का विशाल समूह तुंगविद्या सखी के गांव ढभाला पहुंचा। यहां सूर्यकुंड स्थित

तुंगविद्या सखी मंदिर में दर्शन किए गए। गांव के ब्रजवासियों ने यात्रियों का स्वागत कर केला प्रसाद भेंट किया। इसके बाद यात्रा नौबारी-चौबारी पहुंची, जहां यात्रा का नेतृत्व कर रहे नरसिंह दास महाराज ने स्थल की धार्मिक महत्ता बताई। उन्होंने बताया कि ब्रज की मान्यता के अनुसार, यहां श्रीराधारानी अपनी सखियों के साथ गुड्डा-गुड़िया का खेल खेलती थीं और श्रीकृष्ण अपने सखाओं के साथ समीप

स्थित पर्वत की श्यामशिला से इन बाल लीलाओं का दर्शन करते थे। यात्रा व्यवस्थापक राधाकांत शास्त्री और ब्रजदास ने बताया कि मान मंदिर सेवा संस्थान रमेश बाबा महाराज के आदर्शों और सेवा-संकल्पों के अनुरूप यात्रा का संचालन कर रहा है। यात्रियों के भोजन, आवास, चिकित्सा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निशुल्क रहेंगी। यात्रा का उद्देश्य ब्रज के पवित्र स्थलों के दर्शन के साथ श्रीराधारानी की भक्ति,

गौसेवा और ब्रज की प्राचीन धार्मिक परंपराओं का प्रसार करना है। यात्रा प्रबंधन के अनुसार, रविवार को श्रद्धालु मान मंदिर, कुशल विहारी मंदिर, श्रीजी मंदिर, दानगढ़, मयूरकुटी, सांकी खोर, विलासगढ़, माहेश्वर सर और दोहनी कुंड के दर्शन करेंगे। आगामी दिनों में यात्रा नंदगांव, सिरथला, होडल, भिड़ुकी, धनौता, उझानी, विहारवन, गंगरील, भांडीरवन, बेलवन, वृंदावन, दाऊजी, चिंताहरण महादेव, रावल, मधुवन, बहुलान, मुखराई, पूछरी, उमराव, टांकौली, खोह, आदिबंदी, केदारनाथ और कामां सहित ब्रज के विभिन्न धार्मिक स्थलों से होकर गुजरेगी। यात्रा में डॉ. रामजीलाल शास्त्री, मान मंदिर के महंत ब्रजशरण दास महाराज, नीलमणि बाबा, लाल बाबा, राजकुमार गरुण, भगत जी, संजय सिंह प्रधान, बंसी मंत्री, भारत गोस्वामी, राघव गोस्वामी और सज्जन शर्मा सहित एक सत्त, सेवक और श्रद्धालु मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस में पहुंची मात्र तीन शिकायतें, राजस्व अधिकारी रहे नदारद



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांथला। थाना परिसर में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान राजस्व विभाग के अधिकारी और पूर्ण कर्मचारी नहीं पहुंचे। वहीं, फरियादियों की संख्या भी कम रही। समाधान दिवस में मात्र तीन शिकायतें पहुंचीं। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को शिकायतों का निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। थाना समाधान दिवस में गांव जसाला निवासी सोमपाल ने बताया कि गांव की सड़कों पर जलभराव होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना

पड़ रहा है। शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। उन्होंने जलभराव की समस्या से निजात दिलाने की मांग की। गांव कनिष्ठान निवासी अनुज कुमार ने आरोप लगाया कि गांव के एक व्यक्ति ने उसकी जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया है। विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी जाती है। वहीं, गांव जसाला निवासी किसान बलराम सिंह ने बताया कि गांव के एक व्यक्ति ने सरकारी गली पर अवैध कब्जा कर लिया है। इससे पानी की निकासी बाधित होने के कारण ग्रामीणों को परेशानी हो रही है।

थाना समाधान दिवस में डीएम और एसपी ने सुनीं शिकायतें

भूमि विवादों के निस्तारण के लिए पुलिस-राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर जांच करने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। थाना कोतवाली में शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने पहुंचकर फरियादियों की शिकायतें सुनीं। अधिकारियों ने पुलिस और राजस्व विभाग से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए उनके निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण पर जोर दिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। 24 अक्टूबर को आयोजित समाधान दिवस के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न शिकायतों और लंबित मामलों की सुनवाई की। इस दौरान विशेष रूप से भूमि विवाद और राजस्व संबंधी



शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों की वास्तविक स्थिति का पता लगाकर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित

करने को कहा। अधिकारियों ने निर्देशित किया कि भूमि विवाद से जुड़े मामलों में केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहा जाए, बल्कि पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण करे।

दोनों पक्षों की बात सुनने, उपलब्ध अभिलेखों की जांच करने और वास्तविक स्थिति का आकलन करने के बाद नियमानुसार निष्पक्ष कार्रवाई की जाए, जिससे विवादों का उचित समाधान हो सके। समाधान दिवस का

उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं को सुनकर उन्हें समयबद्ध राहत उपलब्ध कराना है। ऐसे में अधिकारियों ने शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को गंभीरता से लेने और प्रत्येक मामले में तथ्यों के आधार पर कार्रवाई करने पर जोर दिया। साथ ही लंबित मामलों के निस्तारण में अनावश्यक देरी से बचने के निर्देश भी दिए गए। थाना समाधान दिवस के माध्यम से पुलिस और राजस्व विभाग से संबंधित समस्याओं को एक ही स्थान पर सुनने तथा उनके समाधान की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने का प्रयास किया गया। अधिकारियों के निर्देशों के बाद संबंधित विभागों की जिम्मेदारी बढ़ गई है कि वे शिकायतों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करें, ताकि फरियादियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।

गांव-गांव पहुंची ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा, महिलाओं से किया सीधा संवाद

वेलकम इंडिया/ मीनू बरकाती

पीलीभीत। मरीरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा ने महिला सशक्तिकरण और जनसंपर्क अभियान के तहत गांवों में पहुंचकर महिलाओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने महिलाओं के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं, जरूरतों और अपेक्षाओं को जाना। साथ ही महिलाओं को जागरूक, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए प्रेरित किया। जनसंपर्क अभियान के दौरान सभ्यता देवी वर्मा ने महिलाओं से सीधे बातचीत कर उनकी दैनिक समस्याओं और सामाजिक परिस्थितियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं को आपस में संवाद बनाए रखने, अपनी समस्याओं को खुलकर सामने रखने और उपलब्ध जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए



प्रेरित किया। अभियान के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। सभ्यता देवी वर्मा ने महिला सशक्तिकरण को समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने के लिए जरूरी है कि उनकी समस्याओं को सुना जाए और उन्हें आगे बढ़ाने के

अवसर मिलें। गांवों में महिलाओं से सीधा संपर्क स्थापित करने का उद्देश्य भी उनकी जरूरतों को समझना और उन्हें जागरूक करना है। जनसंपर्क के दौरान महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने तथा पात्र लाभार्थियों को उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित करने पर भी जोर दिया गया। महिला शिक्षा, सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता जैसे विषयों को लेकर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

खेल मैदान की मांग, युवाओं ने सरकार से लगाई गुहार



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे में खेल मैदान नहीं होने के कारण क्रिकेट खिलाड़ियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर कस्बे के दर्जनों खेल प्रेमियों ने जनप्रतिनिधियों और प्रदेश सरकार से स्टेडियम बनवाने की मांग की है। खिलाड़ियों का कहना है कि खेल मैदान उपलब्ध होने से युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर

मिलेगा। शनिवार को कस्बा निवासी खेल प्रेमी मुस्तफा जंग, सालिम पंच, सोनू राणा, अनीश जंग, संगकारा, बारिक, रिजवान, सादिक, आरिफ, साहिल, तारिक आरजू सहित आदि ने बताया कि नगर में खेल मैदान नहीं होने से क्रिकेट खेलने के लिए उचित स्थान उपलब्ध नहीं है। ऐसे में खिलाड़ियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। मैदान के अभाव में असुरक्षित स्थानों पर खेलने के दौरान चोट लगने का खतरा

भी बना रहता है। क्रिकेट खिलाड़ी सालिम पंच ने कहा कि यदि कस्बे में स्टेडियम या खेल मैदान बन जाए तो युवा खेलों के प्रति अधिक रुचि लेंगे और नशे सहित अन्य बुराइयों से दूर रह सकेंगे। उन्होंने बताया कि पहले भी कई बार पालिका अध्यक्ष और अन्य जनप्रतिनिधियों के सामने यह मांग उठाई गई, लेकिन अभी तक सुनवाई नहीं हुई है। सभी खेल प्रेमियों ने प्रदेश सरकार से जल्द खेल मैदान बनवाने की मांग की है।

ढेबरआ पुलिस के हथ्ये चढ़ा स्मैक तस्करी का आरोपी, 15.92 ग्राम हेरोइन बरामद



वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। ढेबरआ पुलिस ने शनिवार को घरआर पुलिस के पास बढ़नी-बलरामपुर मार्ग से 15.92 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान बलरामपुर जिले के तुलसीपुर थाना क्षेत्र के लालनगर सिपहिया निवासी शिन्दू (24) पुत्र

लालबहादुर के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष चन्द्रकान्त पाण्डेय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय भेज दिया गया है। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक राजाराम यादव, हेड कांस्टेबल अनूप कुमार यादव, कांस्टेबल प्रबल कुमार और अरविन्द यादव शामिल रहे।

पूरनपुर के विभिन्न बूथों पर मतदाता सूची सत्यापन अभियान में जुटे राजकुमार राजू नई और संशोधित मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने पर जोर, लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने में निमार्इ सक्रिय भूमिका

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। विधानसभा क्षेत्र पूरनपुर में नई एवं संशोधित मतदाता सूची के सत्यापन अभियान के तहत समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार (राजू) ने विभिन्न बूथों पर पहुंचकर अभियान में सक्रिय सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची के सत्यापन की प्रक्रिया में भाग लेते हुए सूची को त्रुटिरहित, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने की दिशा में अपना योगदान दिया। राजकुमार राजू ने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना और दर्ज विवरण का सही होना बेहद जरूरी है। मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि होने से पात्र मतदाताओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में सूची के सत्यापन और संशोधन की प्रक्रिया को



गंभीरता से पूरा किया जाना चाहिए, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बन सके। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को दुरुस्त बनाने के लिए जागरूकता और सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। पात्र मतदाताओं को अपने नाम, पते और अन्य विवरणों की जांच करनी चाहिए। यदि किसी प्रकार की गलती सामने आती है तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसे ठीक कराने के लिए पहल

करनी चाहिए। इससे मतदाताओं को भविष्य में मतदान के दौरान होने वाली संभावित परेशानियों से बचाया जा सकता है। राजकुमार राजू ने संगठन की जिम्मेदारियों का उल्लेख करते हुए कहा कि जनसेवा और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों में सहभागिता भी इसका अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा

कि संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों पर सक्रियता बनाए रखना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बूथों पर मतदाता सूची सत्यापन अभियान में उनकी सहभागिता को इसी दिशा में एक प्रयास माना जा रहा है। उन्होंने मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

मौके पर निस्तारित करें भूमि विवाद, लंबित न रखें मामले: जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन



वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। उसका बाजार थाने पर शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। डीएम

ने राजस्व अधिकारियों को भूमि विवादों का मौके पर निस्तारण करने और मामलों को लंबित न रखने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व निरीक्षकों और लेखपालों से कहा कि वरासत, बंटवारा, नाली, चकमार्ग और अवैध कब्जे से जुड़े मामलों में शिकायतकर्ता की मौजूदगी में मौके पर जांच कर कार्रवाई करें।

जरूरत पड़ने पर पुलिस बल भी साथ ले जाएं। किसी को अनावश्यक परेशान न किया जाए। डीएम ने फरियादियों से आपसी विवाद बातचीत से सुलझाने और शांति बनाए रखने की अपील की। इस दौरान थानाध्यक्ष उसका बाजार, राजस्व निरीक्षक और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मतदाता सूची अभियान में सतेन्द्र मौर्य ने बूथों पर पहुंचकर की समीक्षा, नाए वोट बनवाए



पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। भारत निर्वाचन आयोग के मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत शनिवार, 24 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 127 विधानसभा सदर पीलीभीत के विभिन्न बूथों पर पहुंचकर मतदाता सूची की समीक्षा की। इस दौरान नए मतदाताओं के वोट बनवाने के लिए फॉर्म-6 भरवाए गए और सूची में दर्ज नामों की जांच की गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश और जिलाध्यक्ष धर्मेश गंगवार के नेतृत्व में प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ सतेन्द्र मौर्य तथा 127 विधानसभा सदर पीलीभीत के अध्यक्ष हाजी इमतिआज अली ने मरीरी, ललौरीखेड़ा और अमरिया ब्लॉक क्षेत्र के विभिन्न बूथों का दौरा किया। नेताओं ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) से संपर्क

कर पार्टी के बूथ प्रभारियों को साथ लेकर मतदाता सूची में दर्ज नामों की समीक्षा की। कई स्थानों पर समाजवादी पार्टी की ओर से शिपिर लगाकर नए मतदाताओं के फॉर्म-6 भी भरवाए गए। अभियान के दौरान नौगांव, चंदौड़, सिरसा, रम्पुरिया, दहरोला, सिमरिया, अमरिया, भिकारीपुर, उदयपुर, सिमरिया गौरी, अमरिया, कंजा नाथ पट्टी, अमरखंडिया, इमामनगर, अडौली, हरहरपुर हसन, सिरसी, अकबरगंज, डांग, दाकिया बदतु, बारकाना, परवा वैश्य, जहानाबाद, कुकरीखेड़ा और खमरिया पुल समेत कई क्षेत्रों के बूथों पर संपर्क किया गया। सतेन्द्र मौर्य ने बताया कि मतदाता सूची की जांच के दौरान कुछ बूथों पर नामों में त्रुटियां सामने आईं। इन त्रुटियों को ठीक कराने के लिए तत्काल उपजिलाधिकारी से बातचीत कर मामला उठाया गया।

डांडिया की ताल पर झूमी महिलाएं, खुशियों और उमंग से सजी शाम



वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में शुक्रवार को डांडिया की धुन, रंग-बिरंगी परिधानों और उत्साह के बीच खुशियों की महफिल सजी। जे.जे.एफ. किटी ग्रुप की ओर से होटल आनंद कॉन्टिनेंटल में डांडिया नाइट का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और डांडिया की ताल पर थिरकते हुए कार्यक्रम का आनंद उठाया। जे.जे.एफ. किटी ग्रुप की ज्योति जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित इस

रंगारंग कार्यक्रम में संगीत और नृत्य का आकर्षक संगम देखने को मिला। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने डांडिया की धुनों पर कदम मिलाए। उत्सव के माहौल में महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा कीं और कार्यक्रम को यादगार बनाया। डांडिया महोत्सव के दौरान पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह और उमंग का माहौल रहा। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने संगीत और नृत्य के जरिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन ने महिलाओं को आपसी मेल-मिलाप के साथ मनोरंजन का अवसर दिया। साथ ही

भारतीय संस्कृति और पारंपरिक लोकनृत्य के रंग भी देखने को मिले। आयोजन का उद्देश्य महिलाओं और परिवारों को एक मंच पर लाकर आपसी सौहार्द, सांस्कृतिक परंपराओं और उत्सव की खुशियों को साझा करना रहा। डांडिया नाइट में महिलाओं की भागीदारी ने कार्यक्रम को रौनक बढ़ा दी। इस अवसर पर ज्योति जायसवाल, रिकी केशरवानी, सैलजा बिनती, अलका, आरती, पूजा जायसवाल, रूही केशरवानी, विद्या केशरवानी, बेविका, रिकी जायसवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

चार दिसंबर को शौर्य दिवस मनाएगा विश्व हिंदू रक्षा परिषद : गोपाल राय

26 अक्टूबर से ब्रजभूमि में शुरू होगी 40 दिवसीय ‘श्रीकृष्ण मंदिर निर्माण सनातन जनजागरण यात्रा’

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

गौतमबुद्ध नगर/वाराणसी। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने चार दिसंबर को मथुरा में शौर्य दिवस मनाने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में भव्य श्रीकृष्ण मंदिर निर्माण की मांग को जन-जन तक पहुंचाने तथा सनातन धर्मावलंबियों को इस अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से परिषद की ओर से 26 अक्टूबर से 40 दिवसीय ‘श्रीकृष्ण मंदिर निर्माण सनातन जनजागरण यात्रा’ निकाली जा रही है। यात्रा का शुभारंभ ब्रजभूमि से होगा और देश के प्रमुख धार्मिक नगरों से गुजरने के बाद चार दिसंबर को मथुरा में ही इसका समापन किया जाएगा। गोपाल राय ने

नोएडा की साईं उपवन सोसाइटी में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यात्रा की रूपरेखा और परिषद की आगामी गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से श्रीकृष्ण मंदिर निर्माण की मांग को व्यापक स्तर पर उठाने, संतों एवं धमाचार्यों का मार्गदर्शन प्राप्त करने और विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों के साथ संवाद स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। परिषद का उद्देश्य ब्रजभूमि से शुरू होने वाले इस जनजागरण अभियान को देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाना है। गोपाल राय के अनुसार, जनजागरण यात्रा मथुरा से प्रारंभ होकर अयोध्या, काशी, प्रयागराज, हरिद्वार और ऋषिकेश सहित देश के प्रमुख धार्मिक नगरों तक



पहुंचेंगी। इन स्थानों पर संतों एवं धमाचार्यों से मुलाकात कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त करने के साथ धार्मिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से संवाद स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यात्रा के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके तहत लोगों को

अभियान के उद्देश्य से अवगत कराया जाएगा और श्रीकृष्ण मंदिर निर्माण की मांग को लेकर जनजागरण किया जाएगा। परिषद का प्रयास है कि धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के साथ संवाद के जरिए इस विषय पर लोगों की भागीदारी बढ़ाई जाए। उन्होंने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के

अनुसार यात्रा का समापन चार दिसंबर को मथुरा में किया जाएगा। इसी दिन मथुरा में शौर्य दिवस मनाने की भी घोषणा की गई है। इस आयोजन में देश के विभिन्न क्षेत्रों से सनातन धर्मावलंबियों के शामिल होने की उम्मीद जताई गई है। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल

ब्रजभूमि से होगा जनजागरण यात्रा का शुभारंभ

गोपाल राय ने बताया कि ‘श्रीकृष्ण मंदिर निर्माण सनातन जनजागरण यात्रा’ की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण की पावन जन्मभूमि मथुरा से की जाएगी। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर अश्वमेध यज्ञ, हवन-पूजन और संतों के आशीर्वाद से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। उन्होंने बताया कि मथुरा स्थित श्री पीतांबरा शक्तिपीठ, भारतीय रौंद तथा श्रीधाम वृंदावन में भव्य श्रीकृष्ण मंदिर के शीघ्र निर्माण की कामना के साथ धार्मिक अनुष्ठान किए जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि ब्रजभूमि भगवान श्रीकृष्ण की आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे में यहां से यात्रा प्रारंभ करने का उद्देश्य धार्मिक वेतना को व्यापक स्तर पर प्रसारित करना और लोगों को इस अभियान से जोड़ना है। यात्रा के दौरान ब्रज क्षेत्र के संतों, धमाचर्यों और सामाजिक प्रतिनिधियों से संपर्क कर श्रीकृष्ण मंदिर निर्माण की मांग पर चर्चा की जाएगी। परिषद की ओर से इस अभियान को केवल एक स्थान तक सीमित न रखते हुए देश के विभिन्न धार्मिक केंद्रों तक ले जाने की योजना बनाई गई है, ताकि अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों को इसके उद्देश्य और कार्यक्रमों की जानकारी मिल सके।

राय ने कहा कि चार दिसंबर को मथुरा में आयोजित होने वाला शौर्य दिवस परिषद के जनजागरण अभियान का महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। उन्होंने बताया

कि इस कार्यक्रम के माध्यम से श्रीकृष्ण मंदिर निर्माण की मांग को लेकर चलाए जा रहे अभियान को आगे बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों तक इसका

संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। गोपाल राय के अनुसार, शौर्य दिवस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से सनातन धर्मावलंबियों की सहभागिता की उम्मीद है। परिषद इस आयोजन को यात्रा के समापन कार्यक्रम के साथ जोड़कर व्यापक स्तर पर आयोजित करने की तैयारी कर रही है। हालांकि, कार्यक्रम में शामिल होने वाले अतिथियों और अन्य व्यवस्थाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी अलग से सामने आने की संभावना है। गोपाल राय ने कहा कि श्रीकृष्ण मंदिर निर्माण की मांग को लेकर परिषद देशभर में जनजागरण अभियान चलाने की योजना बना रही है। इसके अंतर्गत विभिन्न राज्यों में जनजागरण यात्राएं, संत-संपर्क कार्यक्रम और जनसंपर्क अभियान आयोजित किए जाएंगे।

‘रिश्ते ही पूंजी है’ के एपिसोड ‘समर्पण’ का प्रीमियर आज

मोटिवेशनल स्पीकर संजीव अग्रवाल की प्रेरणादायक सीरीज रिश्तों के महत्व का देगी संदेश

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। रिश्तों की अहमियत, आपसी प्रेम और समर्पण की भावना को दर्शाने वाली मोटिवेशनल स्पीकर संजीव अग्रवाल की सीरीज ‘रिश्ते ही पूंजी है’ की पांचवीं कड़ी ‘समर्पण’ का मेगा प्रीमियर 25 अक्टूबर 2026 को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में दर्शकों को रिश्तों की वास्तविक पूंजी और जीवन में त्याग, विश्वास एवं समर्पण के महत्व का संदेश दिया जाएगा। सीरीज की पिछली कड़ियों को दर्शकों की सराहना मिली है। इसकी पांचवीं कड़ी ‘समर्पण’ में यह संदेश दिया जाएगा कि धन-दौलत से बढ़कर जीवन में रिश्तों, आपसी विश्वास, सम्मान और अपनों के प्रति प्रेम का महत्व है। लगभग 15 मिनट की यह प्रेरणादायक प्रस्तुति लोगों को मजबूत रिश्तों की नींव और निस्वार्थ समर्पण के वास्तविक अर्थ से जोड़ने का प्रयास करेगी। प्रीमियर कार्यक्रम रविवार, 25



दिव्यांग यश जायसवाल, ईशा चौरसिया यादव, मनोष गर्ग, नैना अग्रवाल, नयन अग्रवाल, नीरू वर्मा, नीतू अग्रवाल, प्रकाश भागचंदानी, प्रमोद गुप्ता, प्रिया आशीष जायसवाल, प्रिया प्रवीण जायसवाल, ऋषि जायसवाल, शिवांगी नागर और विकास शुक्ला शामिल हैं। जय श्री कृष्णा फाउंडेशन के सदस्यों ने काशीवासियों से प्रीमियर शो में शामिल होकर इस प्रेरणादायक प्रस्तुति का हिस्सा बनने की अपील की है। आयोजकों के अनुसार, सभागार में सीटें सीमित हैं। इसलिए आमंत्रित अतिथियों और दर्शकों से निर्धारित समय से दस मिनट पहले पहुंचने का अनुरोध किया गया है। आयोजकों का कहना है कि यह आयोजन केवल एक सीरीज का प्रीमियर नहीं, बल्कि समाज में मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करने, रिश्तों के प्रति जिम्मेदारी बढ़ाने और अपनों के लिए समर्पण का भाव जगाने की सार्थक पहल है।

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा और गुमशुदा लोगों की तलाश के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत जीआरपी कैट वाराणसी की टीम ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक गुमशुदा युवती को सकुशल बरामद कर उसकी मां से मिला दिया। बेटी के सुरक्षित मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और जीआरपी टीम व पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी., पुलिस महानिरीक्षक रेलवे जोन प्रयागराज एन. कोलान्ची तथा पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग प्रयागराज प्रशांत वर्मा के निर्देशन और लगातार निगरानी में ऑपरेशन मुस्कान सहित विभिन्न अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में पुलिस उपाधीक्षक रेलवे वाराणसी कुंवर प्रभात सिंह के निकट



पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक जीआरपी कैट वाराणसी रजोल नागर के निर्देशन में रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म और सकुलैटिंग एरिया में नियमित चैकिंग एवं गश्त की जा रही थी।

इसी अभियान के तहत 22 अक्टूबर 2026 को बनारस रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म और सकुलैटिंग एरिया में चैकिंग के दौरान पुलिस टीम को एक युवती अकेली दिखाई दी। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिसकर्मियों ने

सुरक्षित घर पहुंचाने की व्यवस्था की जा सके। पूछताछ के दौरान युवती ने अपने मेमेरे भाई प्रिंस चौहान का मोबाइल नंबर पुलिस टीम को उपलब्ध कराया। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने दिए गए नंबर पर संपर्क कर परिजनों को युवती के बनारस रेलवे स्टेशन पर सुरक्षित मिलने की सूचना दी। जानकारी मिलते ही युवती की मां रेनू देवी और उसका मेमेरा भाई प्रिंस चौहान जीआरपी चौकी बनारस पहुंचे। युवती की मां ने पुलिस से बताया कि उनकी बेटी घर से नाराज होकर चली आई थी। बेटी के सकुशल मिलने की जानकारी से परिवार की चिंता दूर हुई। इसके बाद जीआरपी टीम ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए युवती को उसकी मां के सुपुर्द कर दिया। अपनी बेटी को सुरक्षित देखकर मां रेनू देवी ने राहत की सांस ली। उन्होंने जीआरपी कैट वाराणसी की टीम की तत्परता, संवेदनशीलता और सराहनीय कार्य के लिए पुलिसकर्मियों

का आभार व्यक्त किया। परिजनों ने कहा कि पुलिस की सक्रियता से उनकी बेटी सुरक्षित वापस मिल सकी। रेलवे स्टेशन जैसे व्यस्त स्थानों पर अकेले घूम रहे या संदिग्ध परिस्थितियों में दिखाई देने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए पुलिस की सतर्कता महत्वपूर्ण होती है। ऑपरेशन मुस्कान के तहत चलाए जा रहे प्रयासों का उद्देश्य गुमशुदा लोगों को तलाशकर उनके परिजनों तक सुरक्षित पहुंचाना है। गुमशुदा युवती को बरामद कर परिजनों से मिलाने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक रजोल नागर, थाना जीआरपी कैट वाराणसी; उपनिरीक्षक एवं चौकी प्रभारी बनारस अशोक कुमार ओझा; महिला आरक्षी पूजा सोनकर, थाना लोहता, जनपद वाराणसी; तथा कांस्टेबल शशिशेखर राय, जीआरपी चौकी बनारस शामिल रहे। जीआरपी कैट वाराणसी की टीम की तत्परता से एक परिवार को उसकी बेटी सुरक्षित वापस मिल सकी।

पीईटी परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए रेलवे ने चलाई परीक्षा स्पेशल ट्रेन, झांसी से मथुरा के लिए हुई रवाना

वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर सात से शाम सात बजे चली विशेष ट्रेन, करीब 400 परीक्षार्थियों ने किया सफर

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

झांसी। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा और सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन की ओर से झांसी से मथुरा के लिए परीक्षा स्पेशल ट्रेन का संचालन किया गया। इस विशेष ट्रेन के माध्यम से करीब 400 परीक्षार्थियों ने यात्रा की। परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों की आवाजाही को देखते हुए संचालित की गई इस ट्रेन से परीक्षार्थियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में सहूलियत मिली। रेलवे प्रशासन के अनुसार, परीक्षा स्पेशल ट्रेन वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या सात से शाम सात बजे मथुरा जंक्शन के लिए रवाना हुई। ट्रेन में लगभग 400 परीक्षार्थी सवार हुए और अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। परीक्षा के महंजर अभ्यर्थियों को यात्रा के दौरान होने



वाली परेशानियों से राहत देने के उद्देश्य से इस विशेष ट्रेन का संचालन किया गया। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के लिए कई बार लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ती है। ऐसे में परीक्षा के दौरान यात्रियों की संख्या बढ़ने से नियमित ट्रेनों में भीड़ और आवागमन संबंधी परेशानियां सामने आ सकती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन की ओर से परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलाई गई, जिससे अभ्यर्थियों को यात्रा

के लिए अतिरिक्त रेल सुविधा उपलब्ध हो सकी। झांसी से मथुरा के लिए संचालित इस विशेष ट्रेन में करीब 400 परीक्षार्थियों का सफर करना इस बात को दर्शाता है कि परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों के लिए अतिरिक्त परिवहन व्यवस्था की आवश्यकता रहती है। विशेष ट्रेन के संचालन से परीक्षार्थियों को अपने गंतव्य की ओर जाने के लिए एक अतिरिक्त विकल्प मिला। रेलवे प्रशासन की ओर से परीक्षार्थियों को सुविधा को प्राथमिकता देते हुए

करीब 400 परीक्षार्थियों ने किया सफर

झांसी रेलवे स्टेशन से मथुरा जंक्शन के लिए रवाना हुई परीक्षा स्पेशल ट्रेन में लगभग 400 अभ्यर्थियों ने यात्रा की। शाम सात बजे प्लेटफॉर्म संख्या सात से ट्रेन के रवाना होने के साथ ही परीक्षार्थी अपने गंतव्य की ओर आगे बढ़े। रेलवे की ओर से की गई इस व्यवस्था से अभ्यर्थियों को परीक्षा संबंधी यात्रा के लिए सुविधा मिली। पीईटी जैसी परीक्षाओं के दौरान अभ्यर्थियों को समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचना महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में अतिरिक्त ट्रेन का संचालन उनके लिए उपयोगी रहा। रेलवे प्रशासन की इस पहल से परीक्षार्थियों को यात्रा के लिए अतिरिक्त सुविधा मिली और उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में मदद मिली।

आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने की जानकारी दी गई। विशेष ट्रेन के संचालन का उद्देश्य अभ्यर्थियों को सुविधाजनक तरीके से यात्रा करने का अवसर उपलब्ध कराना और परीक्षा के दौरान उनकी आवाजाही को सुगम बनाना रहा।

परीक्षा के समय बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के कारण रेल सेवाओं पर यात्रियों का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का संचालन यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने

और अभ्यर्थियों को आवागमन का वैकल्पिक साधन उपलब्ध कराने में मददगार साबित हो सकता है।

कुल मिलाकर, पीईटी परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए झांसी से मथुरा के बीच परीक्षा स्पेशल ट्रेन का संचालन किया गया। करीब 400 अभ्यर्थियों ने इस ट्रेन से सफर किया। परीक्षा के दौरान यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने और अभ्यर्थियों को अतिरिक्त रेल सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई इस व्यवस्था से परीक्षार्थियों को राहत मिली।

श्री नवयुग रामलीला समिति द्वारा ग्राम सभा तेवर में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ 99वां ऐतिहासिक भरत मिलाप

भ्रातृप्रेम, त्याग, समर्पण और मर्यादा का संदेश दे गया ऐतिहासिक आयोजन, भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा हुई जीवंत

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा तेवर में श्री नवयुग रामलीला समिति के तत्वावधान में आयोजित ऐतिहासिक 99वां भरत मिलाप समारोह श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आया। भगवान श्रीराम और भरत जी के मिलन की भावपूर्ण लीला का दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। प्रभु श्रीराम के जयकारों से वातावरण गुंज उठा और उपस्थित लोगों ने पूरी श्रद्धा एवं भक्ति के साथ इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन में सहभागिता की। ग्राम सभा तेवर में आयोजित इस ऐतिहासिक भरत मिलाप ने एक बार फिर क्षेत्र की समृद्ध धार्मिक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया। आयोजन के दौरान भगवान श्रीराम और उनके अनुज भरत

के मिलन से जुड़े प्रसंग ने लोगों को भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। श्रद्धालुओं के लिए यह अवसर केवल धार्मिक आस्था की अभिव्यक्ति ही नहीं, बल्कि पारिवारिक प्रेम, त्याग, समर्पण और भाईचारे के आदर्शों को आत्मसात करने का भी राह।

भरत मिलाप भारतीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का एक महत्वपूर्ण पर्व है। भगवान श्रीराम और भरत जी के मिलन का प्रसंग भाईचारे, निस्वार्थ प्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और त्याग की अनुपम मिसाल माना जाता है। ग्राम सभा तेवर में आयोजित 99वें भरत मिलाप समारोह में इसी आदर्श को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया। भगवान श्रीराम और भरत जी के मिलन की लीला ने उपस्थित श्रद्धालुओं के हृदय को भावनाओं से भर दिया। इस प्रसंग के माध्यम से लोगों को यह संदेश मिला कि पारिवारिक रिश्तों की मजबूती प्रेम, विश्वास, सम्मान और त्याग पर



आधारित होती है। प्रभु श्रीराम की मर्यादा और भरत जी के समर्पण का आदर्श आज भी समाज को सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। समारोह के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। भगवान श्रीराम के जयकारों और भक्तिमय माहौल के बीच धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर ने लोगों को

अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने और भारतीय परंपराओं के मूल्यों को समझने का अवसर प्रदान किया।

भरत मिलाप की धार्मिक महत्ता के साथ-साथ इसका सामाजिक संदेश भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भगवान श्रीराम और भरत जी का संबंध प्रेम, त्याग, मर्यादा और कर्तव्य के प्रति समर्पण का प्रतीक है। दोनों भाइयों के मिलन का

प्रसंग यह दर्शाता है कि पारिवारिक संबंधों में स्वार्थ से ऊपर उठकर एक-दूसरे के प्रति सम्मान और निष्ठा बनाए रखना कितना आवश्यक है। ग्राम सभा तेवर में आयोजित इस समारोह के माध्यम से भारतीय संस्कृति के इन्हीं मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। धार्मिक आयोजन ने सामाजिक सद्भाव, आपसी भाईचारे

और पारिवारिक एकता की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। ऐसे आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों की सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके माध्यम से नई पीढ़ी को धार्मिक परंपराओं, रामायण के आदर्शों और भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत से परिचित होने का अवसर मिलता है। तेवर का 99वां

ऐतिहासिक भरत मिलाप भी इसी सांस्कृतिक परंपरा की निरंतरता का प्रतीक बना। श्री नवयुग रामलीला समिति के तत्वावधान में आयोजित 99वां भरत मिलाप क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा के लिहाज से विशेष महत्व रखता है। लंबे समय से चली आ रही इस परंपरा ने स्थानीय लोगों की आस्था और सांस्कृतिक जुड़ाव को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाते हैं और सामूहिक सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। श्रद्धा, सहयोग और समर्पण के साथ संपन्न हुए इस समारोह ने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत किया। आयोजन के माध्यम से यह संदेश भी सामने आया कि अपनी परंपराओं को सहेजना और उन्हें अगली पीढ़ी तक पहुंचाना समाज से परिचित होने का अक्सर मिलता है। तेवर का 99वां

ऐतिहासिक भरत मिलाप भी इसी सांस्कृतिक परंपरा की निरंतरता का प्रतीक बना। श्री नवयुग रामलीला समिति के अध्यक्ष रविशंकर जायसवाल एवं प्रबंधक प्रमोद पाण्डेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने आयोजन को भव्य एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में योगदान दिया। इसके साथ ही संतोष सिंह, संजय पाण्डेय, विनय पाण्डेय सहित स्थानीय नागरिकों का भी उल्लेखनीय सहयोग रहा। सामूहिक प्रयासों और आपसी समन्वय के चलते धार्मिक आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। समिति के सदस्यों और स्थानीय लोगों की सहभागिता ने आयोजन के प्रति क्षेत्रवासियों की आस्था और सांस्कृतिक जुड़ाव को दर्शाते किया। समारोह के सफल आयोजन में स्थानीय नागरिकों का सहयोग इस बात का परिचायक रहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने में सामूहिक प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।



उत्थान फाउंडेशन के करवा चौथ एवं दीपावली महोत्सव में नारी शक्ति का सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने जीता दिल

समारोह में विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने की शिरकत, रैंप वॉक में खुशबू बंसल ने मारी बाजी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उत्थान फाउंडेशन (रजि.) की ओर से स्पाइस गार्डन, मोदीनगर में आयोजित करवा चौथ एवं दीपावली महोत्सव में महिलाओं ने जमकर धमाल मचाया। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, रैंप वॉक और मनोरंजक प्रतियोगिताओं ने समारोह में चार चांद लगा दिए। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस दौरान संस्था की महिला सदस्यों को सामाजिक कार्यों में योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू शिवाच तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पूनम गोयल, सीएस स्वीटी अग्रवाल एवं



रितु गर्ग मौजूद रहीं। संस्था की संस्थापक सचिव डॉ. सोनिका जैन, कामाक्षी माहेश्वरी और कविता गुप्ता ने अतिथियों का तिलक लगाकर एवं स्वागत घंटियां बजाकर अभिनंदन किया।

अतिथियों ने महिलाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने और सामाजिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी बढ़ाने

के लिए संस्था के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में ध्वनि जैन, स्वरा जैन, रिशु अग्रवाल और कामाक्षी माहेश्वरी की नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। वहीं, तुबा खान ने अपनी मधुर आवाज में गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया।

तुबा खान और पूजा त्यागी ने संयुक्त रूप से मंच संचालन करते हुए अपने

चुटीले अंदाज से महिलाओं का भरपूर मनोरंजन किया। महोत्सव का मुख्य आकर्षण रैंप वॉक प्रतियोगिता रही। इसमें महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में आत्मविश्वास के साथ रैंप पर जलवा बिखेरा।

खुशबू बंसल ने प्रतियोगिता का मुख्य खिताब अपने नाम किया। वहीं, डिंपल नैयर, नेहा शर्मा, कामाक्षी

माहेश्वरी, मनीषा और प्राची मलिक ने भी विभिन्न श्रेणियों में खिताब हासिल किए। प्रतियोगिता में महिलाओं को सादगी क्वीन, फुलझड़्डी, करवा चौथ दीवा, पटाखा ऑफ इवनिंग, स्पाकिलिंग स्टार और सेल्फी क्वीन जैसे आकर्षक खिताबों से नवाजा गया। विजेताओं को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संस्था की संस्थापक सचिव डॉ. सोनिका जैन ने कहा कि महिलाओं को पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच अपनी प्रतिभा निखारने तथा मनोरंजन के अवसर मिलना भी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से संस्था द्वारा इस महोत्सव का आयोजन किया गया।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक खेल, सांस्कृतिक गतिविधियां और

प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह के दौरान संस्था की सभी महिला सदस्यों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा समाजसेवा में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

डॉ. सोनिका जैन ने कहा कि संस्था की विभिन्न सामाजिक गतिविधियों को सफल बनाने में महिला सदस्यों की सक्रिय भागीदारी और समर्पण की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में गजाला बारी, कामाक्षी माहेश्वरी, अनुपम गर्ग, ज्योति रानी, कविता गुप्ता और डॉ. रश्मि मलिक का विशेष योगदान रहा। आयोजन की तैयारियों से लेकर विभिन्न गतिविधियों के संचालन तक इन सभी ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं।

डॉल्फिन पब्लिक स्कूल के बच्चों ने प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन' बेहतरीन तरीके से किया



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉल्फिन पब्लिक स्कूल के प्रांगण में शनिवार को प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन' बच्चों के द्वारा बेहतरीन तरीके से किया गया। आज बच्चों ने ए आई गणित, और भुगोल शास्त्र के प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए।

प्रोजैक्ट में 'मून के फेज़िज', 'इंटरियर ऑफ अर्थ', 'केबल कार का निर्माण', 'मनी', 'मैजर्मेट' आदि पर प्रोजैक्ट बनाए गए। बच्चों

ने अंग्रेजी के माध्यम से अपने प्रोजेक्ट अद्भुत तरीके से प्रस्तुत किए। अभिभावकों ने बच्चों से तर्क वितर्क भी किया और बच्चों के काम को खूब सराहा। टीचर्स - प्रियंका, रुचिका, प्रिया, कीर्ति, आशिका, दीपशिखा आदि का 'प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन' में पूरा सहयोग रहा। स्कूल के चेयरमैन नीरज गर्ग, प्रधानाचार्या ऋतु गर्ग और उपप्रधानाचार्या रिकी कंसल ने बच्चों को उनकी प्रेजेंटेशन के लिए बधाई दी।

पुरुषार्थी पर ही हनुमान जी कृपा कर कल्याण करते हैं : अरविन्द भाई ओझा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अजमीढ़जी भवन सुचेतपुरी मोदीनगर में चल रही हनुमत कथा में बाल लीलाओ का सुंदर वर्णन करते हुए कथा व्यास अरविन्द भाई ओझा ने कहा जो व्यक्ति भाग्य के भरोसे न बैठ कर पुरुषार्थ करते है हनुमानजी उनके जीवन में आ जाते हैं और उसका कल्याण करते हैं। बस हमें ऐसे कर्म करने चाहिए कि हम भागवान की कृपा के पात्र बन जाएं। मनुष्य के जीवन को सुखद बनाने साधन भक्ति है और भक्ति भगवान की शरणगती से प्राप्त होती है और शरणगती में आये व्यक्ति पर भगवान कृपा कर अभयता प्रदान करते है।

मनुष्य अपने जीवन में भक्ति प्राप्त करना पड़ता है तो अपनी बुद्धि,बल,पद व परिवार के झुटे अभिमान को त्याग कर भगवान की शरण में आना चाहिए क्योंकि जहाँ अभिमान होता है वहाँ भगवन नहीं आते। हनुमान जी भगवान और भक्त दोनों की सेवा करते है इसलिए भगवान श्री राम हनुमान जी को लखन जी से दोगुना प्यार करते है। हनुमत कथा पर



प्रकाश डालते हुए कथा व्यास ने कहा कि हनुमान जी भगवान शिव के अंश है इसलिए उनके जीवन में हमे शिव के समान सरलता, सहजता व सजगता (क्रोध) तीनों दिखाई देते है और भगवान श्री राम अपनी जननी . जन्मभूमि और अपने धाम के लोगो को बहुत प्यार करते है और हमे संदेश देते है कि हमे भी अपने गाँव को तीर्थ समझना चाहिए। हनुमान चालीसा पर प्रकाश डालते हुए उन्होनें कहा कि ये ऐसा ग्रन्थ है जो हमे भगवान तक पहुंचने का मन्त्र व पंथ बताता है। यही काम गुरु का होता है। गुरु की व्याख्या करते हुए उन्होने कहा कि जो भगवान से परमात्मा से जोड़े वही गुरु हो सकता है जो वेदों और सनातन परम्परा से

तोड़कर अपने से जोड़े वो गुरु नही हो सकता हनुमानजी अपने भक्त को भगवान से मिलते हैं। कथा में यजमान बाबू राम ठेजेदार, व रूपचंद मुख्य रूप से विधायक डॉ मंजू शिवाच, पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, दिनेश सिंघल पूर्व जिला अध्यक्ष भागपा, सुनील भराला मंत्री, मनोज वाल्मीकि सदस्य राष्ट्रीय सभाई आयोग, उमेश क्रीड़ा भारती, सभासद अरुण खन्ना, चौधरी वेदप्रकाश सभासद, शालनी नैयर, अमित कराटे,शिव अग्रवाल, आलोक भारती, सभासद ललित त्यागी, सुबेसिंह ,गणेश मंदिर के मुख्य पुजारी उदय झा ने कथा व्यास जी का शॉल उढ़ाकर सम्मान किया।

एटीएम में नकदी डालने के नाम पर 77.28 लाख रुपये का गबन, कोर्ट के आदेश पर केस

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। एटीएम में नकदी डालने के लिए दी गई रकम में 77.28 लाख रुपये का हिसाब नहीं देने के मामले में नंदग्राम थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। हिताची पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने गाजियाबाद के फ्रेंचाइजी संचालक पर रकम के गबन का आरोप लगाया है। कंपनी का कहना है कि कई बार संपर्क करने के बावजूद रकम का संतोषजनक हिसाब नहीं दिया गया। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कंपनी में सहायक प्रबंधक घनश्याम ने न्यायालय में शिकायत देकर बताया कि हिताची पेमेंट

सर्विसेज विभिन्न बैंकों के एटीएम में नकदी डालने और उनके रखरखाव का काम करती है। इसके लिए अलग-अलग शहरों में फ्रेंचाइजी संचालकों के साथ समझौता किया जाता है। शिकायत के मुताबिक, गाजियाबाद में एटीएम में नकदी डालने और उनके रखरखाव की जिम्मेदारी सेवानापर निवासी जीडी सर्विसेज के फ्रेंचाइजी संचालक गौरव वर्मा को दी गई थी। आरोप है कि बीते वर्ष 23 सितंबर से 18 जनवरी के बीच जिले के 31 एटीएम में नकदी डालने के लिए फ्रेंचाइजी संचालक के खाते में 57.60 करोड़ रुपये भेजे गए थे। इनमें से 77.28 लाख रुपये का हिसाब कंपनी को नहीं मिला।

GRAP स्टेज-कलागू होते ही जीडीए सख्त, निर्माण स्थलों पर प्रदूषण फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP) के स्टेज-केके प्रभावी होने के बाद गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने सख्ती बढ़ा दी है। शनिवार को जीडीए उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में निर्माण स्थलों पर प्रदूषण नियंत्रण मानकों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में सचिव, अपर सचिव, प्रभारी मुख्य अभियंता, विशेष कार्याधिकारी और प्रवर्तन जैन-1 से 8 तक के प्रभारी अधिकारी मौजूद रहे।



जीडीए उपाध्यक्ष ने सभी प्रवर्तन जोनों में विशेष निरीक्षण अभियान चलाने तथा लिए टीमों गठित करने और निर्माण स्थलों की निगरानी निगरानी करने के निर्देश दिए। अभियान निजी बिल्डरों के साथ जीडीए की विभिन्न योजनाओं में चल रहे निर्माण कार्यों पर भी लागू होगा।



निर्माण सामग्री और मलबे को ग्रीन नेट से ढकने, एंटी-स्मॉग गन चलाने तथा धूल के उत्सर्जन पर नियंत्रण सुनिश्चित करने को कहा गया। निर्देशों के बावजूद नियमों का उल्लंघन करने वाले निर्माणकर्ताओं, ठेकेदारों और एजेंसियों पर जुर्माना लगाया जाएगा। बार-बार

उल्लंघन करने वालों को ब्लैकलिस्ट करने या अन्य कानूनी कार्रवाई का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। अधिकारियों को निरीक्षण और कार्रवाई का रिकॉर्ड रखने के निर्देश भी दिए गए। जीडीए उपाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि प्रदूषण नियंत्रण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

लोनी में सोनू हत्याकांड का 24 घंटे में खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, एक बाल अपचारी हिरासत में

अवैध तमंचा, कारतूस और बिना नंबर प्लेट की बाइक बरामद, पुलिस ने सर्विलांस की मदद से आरोपियों तक पहुंच बनाई

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लोनी थाना पुलिस ने चिरौड़ी गांव में सोनू की गोली मारकर हत्या करने के मामले का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त .315 बोर का अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 23 अक्टूबर को सोनू के भाई ने तहरीर देकर शोएब, सलमान, फिजु और आज़िम पर हत्या का आरोप लगाया था। इसके आधार पर थाना लोनी में बीएनएस की



धारा 103(1) के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया। सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और मैनुअल इनपुट की मदद से पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए सलमान पुत्र बेचेन और शोएब पुत्र मोमीन को

गिरफ्तार कर लिया। घटना में सलिलपता सामने आने पर एक बाल अपचारी को भी अभिरक्षा में लिया गया है। मामले में बीएनएस की धारा 61(2) और आर्म्स एक्ट की धारा 3/25/27 की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

बकायेदार व्यापारियों को बड़ी राहत, ब्याज में मिलेगी 100 प्रतिशत तक छूट

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राज्यकर विभाग ने बकायेदार व्यापारियों को राहत देने के लिए ब्याज माफी योजना शुरू की है। इसके तहत मूल बकाया कर जमा करने पर बकाया राशि के स्लेब के अनुसार ब्याज में 50 से 100 प्रतिशत तक छूट दी जाएगी। योजना का लाभ लेने और आवेदन प्रक्रिया में व्यापारियों की मदद के लिए विभाग में हेलप डेस्क स्थापित की गई है। शुक्रवार को अपर आयुक्त अजय कुमार गौतम ने हेलप डेस्क का शुभारंभ किया। योजना के तहत 10 लाख रुपये तक की मूल बकाया धनराशि जमा करने पर ब्याज में 100 प्रतिशत छूट मिलेगी। वहीं, 10 लाख से एक करोड़ रुपये तक के बकाये पर 90 प्रतिशत, एक करोड़ से पांच करोड़ रुपये तक पर 75 प्रतिशत

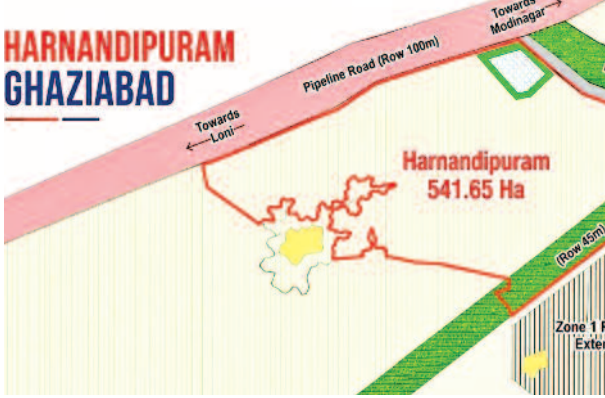
और पांच करोड़ रुपये से अधिक के बकाये पर 50 प्रतिशत ब्याज माफ किया जाएगा। अपर आयुक्त अजय कुमार गौतम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना की जानकारी अधिक से अधिक व्यापारियों तक पहुंचाई जाए, ताकि पात्र व्यापारी इसका लाभ उठा सकें। हेलप डेस्क के माध्यम से व्यापारियों को योजना के प्रावधानों और आवेदन प्रक्रिया के संबंध में सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। योजना के प्रचार-प्रसार के लिए राज्यकर विभाग के सभागार में बैठक आयोजित की गई। इसमें अधिकारियों, व्यापार संगठनों, चार्टर्ड अकाउंटेंट और व्यापार प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। विभागीय अधिकारियों ने योजना के तहत मिलने वाली ब्याज छूट और इसके प्रावधानों की जानकारी दी।

हरनंदीपुरम योजना को रफ्तार, 500 एकड़ जमीन की रजिस्ट्री पूरी; जल्द लॉन्च होंगे भूखंड

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की महत्वाकांक्षी हरनंदीपुरम आवासीय योजना को गति मिल रही है। करीब 501 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रस्तावित योजना के तहत अब तक 202.3455 हेक्टेयर यानी लगभग 500 एकड़ भूमि का बैनामा प्राधिकरण के पक्ष में पूरा हो चुका है। इसके अलावा करीब 100 हेक्टेयर जमीन के लिए किसानों की सहमति मिल गई है और बैनामे की प्रक्रिया जारी है।

योजना के प्रथम चरण का लेआउट प्लान प्राधिकरण बोर्ड से मंजूर हो चुका है। रैरा पंजीकरण के लिए आवेदन भी किया गया है।



पंजीकरण मिलते ही प्रथम चरण को आमजन के लिए लॉन्च करने की तैयारी है।

योजना में आवासीय भूखंड, वाणिज्यिक स्थल और ग्रुप हाउसिंग विकसित करने की परिकल्पना है।

साथ ही सड़कें, पार्क और सामुदायिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। प्राधिकरण का लक्ष्य किसानों की सहमति से भूमि जुटाकर योजना को चरणबद्ध तरीके से विकसित करना है।

महामाई जन कल्याण सेवा समिति 31 अक्टूबर को कराएगी 11वां भव्य जागरण एवं भंडारा

मोरटी में 11वां भव्य जागरण, पंडित राम अवतार शर्मा देंगे प्रस्तुति

ललीत शर्मा

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। महामाई जन कल्याण सेवा समिति (रजि.) एवं कॉलोनीवासियों के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 31 अक्टूबर 2026, शनिवार को मां भगवती महामाई का 11वां भव्य जागरण एवं भंडारा आयोजित किया जाएगा। राधा कृष्णापुरम कॉलोनी, मोरटी में आयोजित होने वाले इस धार्मिक कार्यक्रम को लेकर समिति के सदस्यों और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। समिति पिछले 10 वर्षों से लगातार इस आयोजन को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ कराती आ रही है।

समिति के अध्यक्ष ललित कुमार दीक्षित ने बताया कि मां भगवती की असीम कृपा से प्रत्येक वर्ष जागरण एवं भंडारे का आयोजन धूमधाम से किया जाता है। इस बार भी आयोजन को भव्य रूप देने के लिए समिति के सभी सदस्य पिछले तीन महीने से तैयारियों में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि समिति के सदस्यों, कॉलोनीवासियों और भक्तों के लिए यह आयोजन किसी पर्व से कम नहीं है। श्रद्धालु अपने पूरे परिवार के साथ मां भगवती के दरबार में पहुंचकर माता का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

शाम चार बजे हवन-पूजन, छह बजे से भंडारा

कार्यक्रम के अंतर्गत 31 अक्टूबर को शाम चार बजे हवन-पूजन किया जाएगा। शाम छह बजे से मां भगवती



की इच्छा तक भंडारे का आयोजन होगा। रात्रि नौ बजे मां भगवती महामाई की ज्योति प्रचंड की जाएगी। इसके बाद भजन-कीर्तन और मां के गुणगान से वातावरण भक्तिमय होगा। समिति की ओर से सभी कॉलोनीवासियों, ग्रामवासियों और श्रद्धालुओं को सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होने का निर्मंत्रण दिया गया है।

टी-सीरीज के सुप्रसिद्ध भजन गायक पंडित राम अवतार शर्मा देंगे प्रस्तुति

इस बार जागरण में शुक्ला जागरण पार्टी एवं कीर्तन मंडल के प्रो. पंडित सुनील शुक्ला के नेतृत्व में मां भगवती का गुणगान किया जाएगा। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण टी-सीरीज के सुप्रसिद्ध भजन गायक पंडित राम अवतार शर्मा होंगे। उनकी मधुर आवाज में मां भगवती के भजनों की प्रस्तुति श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेगी। इसके साथ ही विभिन्न प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा मनमोहक धार्मिक झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी।



नए हाईवे के पास होगा आयोजन

इस बार जागरण एवं भंडारे का आयोजन मोरटी से अटौर की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर नए हाईवे के निकट स्थित राधा कृष्णापुरम कॉलोनी में गली नंबर-3 के सामने, गली नंबर-17, मोरटी में किया जाएगा। समिति ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे कार्यक्रम में पहुंचकर भजन-कीर्तन का आनंद लें, भंडारे का प्रसाद ग्रहण करें और मां जगदम्बे का आशीर्वाद प्राप्त करें।

समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य जुटे तैयारियों में

आयोजन को सफल बनाने में

समिति के सचिव सुशील चंद्र चौहान, संस्थापक उपेंद्र कुमार मिश्रा, संरक्षक मास्टर सुखवीर पाल, कोषाध्यक्ष अनंत देव हुड्डा, उपाध्यक्ष राम जायसवाल, वरिष्ठ सलाहकार बालकृष्ण पाल, सांस्कृतिक महामंत्री प्रेम सागर यादव, मीडिया प्रभारी पुनीत दीक्षित तथा प्रमुख सलाहकार विनोद कुमार सहित समिति के अनेक सदस्य और सहयोगी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

इसके अतिरिक्त प्रदीप यादव, संदीप यादव, किरणपाल (केपी फर्नर), सुरेंद्र पाल (पाल इलेक्ट्रिकल), संजु हाईवेयर, सचिन वर्मा, साध्वी ज्येलर्स, अर्जुन सिंह फौजी, राजू सोम, राकेश कुमार, सतीश शर्मा, संजय त्यागी, नीरज त्यागी



(गंगा एसोसिएट), सुशील त्यागी, अरुण त्यागी, ठेकेदार रंजीत, प्रिंस त्यागी, उमेश त्यागी, विकास चौधरी, हरिओम, विनोद चौधरी, अंकुर त्यागी, गौरव त्यागी, सतेंद्र त्यागी, खडक सिंह पाल, नितिन पाल, राहुल त्यागी, राहुल गुप्ता, कांता प्रसाद, डॉ. कमल सिंह, अनिल दीक्षित, अनुज दीक्षित, रोहतास पाल, इन्द्रपाल चौधरी, सोहन सिंह, वी.जी. रोहिल्ला, चौधरी आटा चक्की, सानिथ्य हाईवेयर, वर्षा ऑटोमोबाइल, हिमांशु इलेक्ट्रिकल, महामाई शॉर्टिंग, शिव मेडिकल, सौरभ चौधरी, कपिल दीक्षित, राजन थापा, वरुण दादा, देवानंद, गगन सिंह, अमित कुमार, संजय गुप्ता, प्रवीण गुप्ता,

ओमपाल ठेकेदार, त्रिभुवन झा, आर.के. रोहिल्ला, पंकज वर्मा, सुभाष तिवारी, अमित कश्यप, नीतिश शर्मा, नीरज शर्मा, गौरव फोजी, कमलेश यादव, दीपक गोस्वामी, ओमपाल सैनी, सुंदरलाल, अनित कुमार सैनी, वीरेंद्र चौधरी, आकाश मिश्रा, नेत्रपाल, राजीव रतन भारद्वाज सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति, स्थानीय निवासी एवं सहयोगी आयोजन को सफल बनाने में योगदान दे रहे हैं।

समिति ने सभी श्रद्धालुओं से 31 अक्टूबर को मां भगवती के भव्य जागरण एवं भंडारे में शामिल होकर धार्मिक आयोजन की शोभा बढ़ाने और मां महामाई का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

अनुपस्थित बीएलओ पर गिरेगी गाज, वेतन रोकने के साथ एफआईआर की चेतावनी

**कपिल चौहान**

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में लापरवाही बरतने वाले बृथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) पर जिला प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। 24 अक्टूबर को विशेष अभियान के दौरान अनुपस्थित मिले बीएलओ को प्रतिकूल प्रविष्टि देने और अग्रिम आदेश तक वेतन रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार 25 अक्टूबर को सभी बीएलओ को अपने निर्धारित बूथों पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक उपस्थित रहना अनिवार्य होगा। इस दौरान पात्र नागरिकों और युवाओं के नाम



मतदाता सूची में जोड़ने के लिए फॉर्म-6 प्राप्त किए जाएंगे। रविवार को भी अनुपस्थित मिलने पर संबंधित बीएलओ के खिलाफ वेतन रोकने, प्रतिकूल प्रविष्टि और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई की जाएगी। ईआरओ, ईआरओ और सुपरवाइजरों को बूथों का निरीक्षण कर उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सनातन धर्म पर कथित टिप्पणी को लेकर सपा प्रवक्ता के खिलाफ मुकदमा, बर्खास्तगी की मांग

वेद नागर ने अखिलेश यादव से राजकुमार भाटी को प्रवक्ता पद से हटाने की उठाई मांग, टीवी डिबेट में बुलाने पर लोकतांत्रिक विरोध की चेतावनी

**कपिल चौहान**

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। सनातन धर्म और हिंदू देवी-देवताओं पर कथित टिप्पणी को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी विवादों में घिर गए हैं। गौरव हिंदू दल के संस्थापक अध्यक्ष वेद नागर ने उनके खिलाफ दादरी थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। मुकदमा दर्ज



होने के बाद वेद नागर ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से राजकुमार भाटी को प्रवक्ता पद से तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है। वेद नागर का कहना है कि धार्मिक आस्थाओं से जुड़े मामलों में जिम्मेदार लोगों को सोच-समझकर बयान देना चाहिए। उन्होंने इस मुद्दे पर टीवी डिबेट में राजकुमार भाटी को आमंत्रित किए जाने पर भी आपत्ति

जताई है। वेद नागर ने कहा कि यदि उन्हें टीवी डिबेट में बुलाया जाता है तो इसके विरोध में लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाई जाएगी। इस मामले को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक और धार्मिक बहस तेज होने की संभावना है। फिलहाल, मामला दर्ज होने के बाद इस विवाद पर आगे की कार्रवाई और संबंधित पक्षों की प्रतिक्रिया पर नजर बनी हुई है।

दुष्कर्म और अश्लील हरकत के मामले में वांछित आरोपी तसलीम गिरफ्तार

**कपिल चौहान**

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ट्रैनिका सिटी थाना पुलिस ने दुष्कर्म और अश्लील हरकत के मामले में वांछित आरोपी तसलीम को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मामले में 8 सितंबर 2026 को लोनी बाँडर थाने में एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि घर लौटते समय महिला और उसकी बेटी को हाजी सलमान, तसलीम और सफेद रंग की कार के चालक ने गाड़ी में बैठा लिया। इसके बाद उनके साथ मारपीट और गाली-गलौज की गई। शिकायत में हाजी सलमान पर

महिला को बेटी के साथ अश्लील हरकत करने और तसलीम पर महिला से दुष्कर्म करने का आरोप लगाया गया। पोंडिता ने घटना के संबंध में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया।

पुलिस ने संबंधित धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया था। विवेचना ट्रैनिका सिटी थाने को सौंपने के बाद पुलिस टीम ने 23 अक्टूबर को आरोपी तसलीम (28) निवासी खुशहाल पार्क, ट्रैनिका सिटी को गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गाजियाबाद के पत्रकार आरव शर्मा को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से धमकी, पुलिस से मांगी सुरक्षा



● व्हाट्सएप वॉइस नोट के जरिए धमकी मिलने का दावा, मुकदमा दर्ज होने के बाद पत्रकार और परिवार की सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। बॉलीवुड के बाद अब गाजियाबाद के पत्रकार आरव शर्मा को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। पत्रकार को व्हाट्सएप पर वॉइस नोट के जरिए धमकी मिलने की बात कही गई है। घटना के बाद

पत्रकार जगत में चिंता का माहौल है और पत्रकार की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आरव शर्मा ने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर पुलिस कमिश्नर जे. रविन्द्र गौड़ से गुहार लगाई है। मामले में पुलिस की ओर से मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। धमकी मिलने के बाद पत्रकार और उनके परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम पहले भी कई चर्चित धमकी और आपराधिक मामलों में सामने आ चुका है। हालांकि, इस मामले में धमकी देने वाले की पहचान और कथित गैंग से उसके संबंधों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

पुलिस मुठभेड़ में टप्पेबाजी के दो आरोपी घायल, 4600 रुपये और दो तमंचे बरामद

डीपीएस स्कूल गेट नंबर-2 के पास हुई गिरफ्तारी, वारदात में इस्तेमाल स्कूटी भी बरामद

**कपिल चौहान**

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। सिहानी गेट थाना पुलिस ने टप्पेबाजी की घटना का खुलासा करते हुए मुठभेड़ के दौरान दो आरोपियों गौरव उर्फ गोलू और विवेक को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। पुलिस

ने आरोपियों के कब्जे से टप्पेबाजी के 4600 रुपये, घटना में प्रयुक्त स्कूटी, दो तमंचे, 315 बोर, दो जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, नंदग्राम थाना क्षेत्र के मूलचंद एन्क्लेव निवासी कुलदीप ने 13 अक्टूबर को शिकायत दी थी कि 12 अक्टूबर को वह नवयुग



मार्केट स्थित एचडीएफसी बैंक में चेक जमा कराने के बाद मालीवाड़ा चौक पर विमल फार्मा से भुगतान लेने जा रहे थे। इसी दौरान स्कूटी सवार दो युवकों ने पीछे से टक्कर लगाने की बात कहकर उन्हें उलझा लिया और उनके रुपये लेकर फरार हो गए। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू

की। सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय जानकारी और मुखबिर् की सूचना के आधार पर पुलिस ने डीपीएस स्कूल के गेट नंबर-2 के पास दोनों आरोपियों को मुठभेड़ से दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सात तथा लूट के तीन मुकदमों समेत कुल 10 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपियों ने नंदग्राम निवासी कुलदीप को मालीवाड़ा चौक के पास निशाना बनाया था। स्कूटी से टक्कर मारने का झांसा देकर उन्होंने उससे रुपये से भरा बैग ले लिया और फरार हो गए।

प्रताप विहार में अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ी कार, पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से उतारा

**कपिल चौहान**

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। प्रताप विहार स्थित जीवन ज्योति हॉस्पिटल के सामने एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। कार पुलिसकर्मियों द्वारा चलाई जा रही थी। घटना के बाद मौके पर मौजूद चार पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से कार को डिवाइडर से नीचे उतराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार के डिवाइडर पर चढ़ने के बाद मौके पर स्थिति को संभालने

के लिए पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग एकजुट हुए। सभी ने मिलकर कार को सुरक्षित तरीके से डिवाइडर से नीचे उतारने में सहयोग किया। इस दौरान मौके पर लोगों की मौजूदगी रही। पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों के संयुक्त प्रयास से कार को डिवाइडर से नीचे उतारा गया। घटना के संबंध में कार के अनियंत्रित होने के कारण, किसी के घायल होने या वाहन को हुए नुकसान की आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है।